NCERT की नई पाठ्यपुस्तक **मल्हार** पर आधारित

संजीव® रिफ्रेशर

हिन्दी

मल्हार

कक्षा-7 के विद्यार्थियों के लिए

लेखक : घनश्याम दास शर्मा

मुख्य विशेषताएँ

1. सभी पाठों का सार
2. सभी पाठों के कठिन शब्दों के अर्थ
3. काव्यांशों/गद्यांशों पर आधारित बहुवैकल्पिक एवं अर्थग्रहण सम्बन्धी प्रश्नोत्तर
4. पाठ्यपुस्तक के सभी प्रश्नोत्तर
5. पाठ्यक्रमानुसार अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर
6. व्याकरण
7. लेखन
   - अपठित बोध
   - प्रार्थना-पत्र एवं पत्र-लेखन
   - निबन्ध-लेखन
   - अनुच्छेद-लेखन
   - संवाद-लेखन
   - सूचना-लेखन
   - विज्ञापन-लेखन

₹ मूल्य : 270.00

प्रकाशक :

संजीव प्रकाशन, जयपुर

प्रकाशक :

संजीव प्रकाशन

धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर-3

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

website : www.sanjivprakashan.com

© प्रकाशकाधीन

लेजर कम्पोजिंग :

संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

★★★★★★

वैधानिक चेतावनी

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भाग को किसी भी रूप में फोटोस्टेट, माइक्रोफिल्म, या किसी अन्य माध्यम से, या किसी सूचना पुर्नप्राप्ति प्रणाली, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया या यांत्रिक में शामिल करना कॉपीराइट का उल्लंघन माना जायेगा।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

प्रथम खण्ड—मल्हार

1.	माँ, कह एक कहानी	मैथिलीशरण गुप्त	1
2.	तीन बुद्धिमान	लोककथा	22
3.	फूल और काँटा	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	45
4.	पानी रे पानी	अनुपम मिश्र	64
5.	नहीं होना बीमार	स्वयं प्रकाश	89
6.	गिरिधर कविराय की कुंडलिया	गिरिधर कविराय	116
7.	वर्षा-बहार	मुकुटधर पांडेय	135
8.	बिरजू महाराज से साक्षात्कार	विद्यार्थियों द्वारा	160
9.	चिड़िया	आरसी प्रसाद सिंह	187
10.	मीरा के पद	मीरा	211

द्वितीय खण्ड—व्याकरण-भाग

1.	भाषा एवं व्याकरण		232
2.	वर्ण-विचार		236
3.	शब्द विचार		240
4.	शब्द भेद		243
5.	संज्ञा		247
6.	विकारी शब्द के विकारक तत्त्व—		252
	(1) लिंग	(252)	
	(2) वचन	(256)	
	(3) कारक	(258)	
7.	सर्वनाम		262
8.	विशेषण		266
9.	क्रिया		273
10.	काल		277
11.	अव्यय		280

12.	उपसर्ग		288
13.	प्रत्यय		293
14.	संधि		299
15.	समास		307
16.	शब्द भेद (अर्थ के आधार पर)		314
	(अ) पर्यायवाची/समानार्थी शब्द	(314)	
	(ब) अनेकार्थी शब्द	(318)	
	(स) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (एकल शब्द)	(321)	
17.	वाक्य विचार		326
18.	विराम चिह्न		331
19.	शुद्ध और अशुद्ध वाक्य		335
20.	मुहावरे		340
21.	लोकोक्तियाँ		346

तृतीय खण्ड—रचना-भाग

1.	अपठित बोध	351
2.	प्रार्थना-पत्र एवं पत्र-लेखन	360
3.	निबन्ध-लेखन	369
4.	अनुच्छेद-लेखन	392
5.	संवाद-लेखन	395
6.	सूचना-लेखन	400
7.	विज्ञापन-लेखन	403

प्रथम खण्ड : मल्हार

1

माँ, कह एक कहानी

—मैथिलीशरण गुप्त

मैथिलीशरण गुप्त
(1886-1964)

कवि परिचय—कविवर मैथिलीशरण गुप्त का जन्म 3 अगस्त, 1886 को उत्तर प्रदेश में झाँसी जिले के 'चिरगाँव' नामक स्थान पर हुआ था। आपने छोटी अवस्था से ही कविता लिखना आरम्भ कर दिया था। आप आरम्भ में 'ब्रजभाषा' में कविता करते थे और बाद में 'खड़ीबोली' में आजीवन लिखते रहे। आपके साहित्य में भारत की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक चेतना के स्वर मुखरित हुए हैं। राष्ट्रभक्ति और रामभक्ति को आपने अपने साहित्य में प्रमुख स्थान दिया है। आपके साहित्यिक योगदान के लिए आपको 'राष्ट्रकवि' की उपाधि से सम्मानित किया गया था। आपकी लगभग 75 कृतियाँ उपलब्ध हैं जिनमें से 'जयद्रथ वध', 'साकेत', 'यशोधरा', 'भारत-भारती', 'पंचवटी' और 'द्वापर' प्रमुख हैं। इनका देहांत 12 दिसम्बर, 1964 को हुआ।

कविता का सारांश—प्रस्तुत कविता 'माँ, कह एक कहानी' मैथिलीशरण गुप्त की प्रसिद्ध रचना 'यशोधरा' से लिया गया है। इसमें कवि ने गौतम बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित एक सत्य और करुण घटना को सहज अभिव्यक्ति प्रदान की है। 'यशोधरा' काव्य-कृति की नायिका गौतम बुद्ध की पत्नी यशोधरा है। इसमें माँ यशोधरा और बेटे राहुल का वार्तालाप है।

एक दिन राहुल अपनी माँ यशोधरा से कहानी सुनाने के लिए हठ करता है। बेटे राहुल का मन रखने के लिए यशोधरा अपने पति गौतम बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित एक सत्य और करुण घटना उसे सुनाती है।

यशोधरा कहती है, एक बार गौतम बुद्ध सुबह-सुबह उपवन में घूम रहे थे कि अचानक उनके सामने बाण से बिंधा हुआ एक घायल हंस ऊपर से आकर गिरा। उन्होंने आश्चर्यचकित होकर, उस हंस को उठा लिया। तभी वहाँ एक शिकारी आ पहुँचा और वह गौतम बुद्ध से उस हंस को माँगने लगा। शिकारी ने कहा कि वह हंस उसका शिकार है इसलिए उस पर उसका अधिकार है किन्तु गौतम बुद्ध ने कहा कि उन्होंने उस हंस की रक्षा की है इसलिए उस हंस पर उनका अधिकार है। हंस पर अधिकार को लेकर दोनों में विवाद हुआ और इस विवाद को दोनों न्याय के लिए न्यायालय ले गये। न्यायालय में दोनों की बात सुनी गयी।

कविता के अन्त में यशोधरा राहुल को न्यायालय का निर्णय नहीं बताती बल्कि उससे पूछती है कि वह निर्भय होकर इस बात का निर्णय करे कि न्याय किसके पक्ष में होना चाहिए, बचाने वाले के या मारने वाले के? कुछ विचार कर राहुल ने मारने वाले से बचाने वाले का पक्ष सबल बताते हुए हंस पर बचाने वाले का अधिकार स्वीकार किया। राहुल के निर्णय से माँ यशोधरा बहुत प्रसन्न होती है।

कविता की व्याख्या एवं अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

(1)

''माँ, कह एक कहानी।''
''बेटा, समझ लिया क्या तूने
मुझको अपनी नानी?''
''कहती है मुझसे यह चेटी,
तू मेरी नानी की बेटी!
कह माँ, कह, लेटी ही लेटी,
राजा था या रानी?
राजा था या रानी?
माँ, कह एक कहानी।''
''तू है हठी मानधन मेरे,
सुन, उपवन में बड़े सबेरे,
तात भ्रमण करते थे तेरे,
जहाँ, सुरभि मनमानी।''
''जहाँ सुरभि मनमानी?
हाँ, माँ, यही कहानी।'' [पृष्ठ-1-2]

कठिन शब्दार्थ—बेटा = पुत्र। **चेटी** = दासी, नौकरानी। **बेटी** = पुत्री। **हठी** = जिद्दी। **मानधन** = गर्व करने योग्य धन। **उपवन** = उद्यान। **सबेरे** = प्रातःकाल, सुबह। **तात** = पिता। **भ्रमण** = घूमना, टहलना। **सुरभि** = सुगंध। **मनमानी** = पर्याप्त।

प्रसंग—मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित कविता 'माँ, कह एक कहानी' के इस काव्यांश में राहुल अपनी माँ से कहानी कहने की हठ कर रहा है।

व्याख्या—कवि कहता है कि राहुल अपनी माँ यशोधरा से आग्रहपूर्वक कहता है कि ''माँ! तुम एक कहानी कहो।'' माँ यशोधरा हँसती हुई कहती है कि ''क्या तुमने मुझे अपनी नानी समझ लिया है?'' क्योंकि प्रायः नानी द्वारा ही बच्चों को कहानियाँ सुनाये जाने की कहावत प्रचलित है।

राहुल यशोधरा से कहता है कि यह दासी कहती है, तुम मेरी नानी की बेटी हो। इसलिए माँ! तुम लेटी-लेटी ही राजा या रानी की एक कहानी कहो अर्थात् आराम से एक कहानी सुनाओ।

हार कर माँ यशोधरा अपने बेटे राहुल को 'मानधन' विशेषण से सम्बोधन करती हुई कहती है, ''मेरे मानधन अर्थात् मेरे गर्व करने योग्य धन! तू बहुत जिद्दी है, सुन! तेरे पिता सुबह उद्यान में टहल रहे थे। वहाँ पर्याप्त सुगंध थी।'' राहुल विस्मय से कहता है, ''वहाँ पर्याप्त सुगंध थी? हाँ, माँ, यही कहानी कहो।''

बहुविकल्पात्मक प्रश्न—

1. ''माँ, कह एक कहानी'' वाक्य कौन कह रहा है?
(क) गौतम बुद्ध (ख) यशोधरा (ग) राहुल (घ) चेटी

2. बेटा अपनी माँ से क्या कहने की हठ कर रहा है?
(क) कविता (ख) कहानी (ग) लोरी (घ) पहेली
3. "तू है हठी, मानधन मेरे" वाक्य कौन कह रहा है?
(क) राहुल (ख) चेटी (ग) यशोधरा (घ) सुरभि

उत्तर—1. (ग) 2. (ख) 3. (ग)

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न—

प्रश्न 1. कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

उत्तर—कविता का शीर्षक "माँ, कह एक कहानी" है और कवि का नाम श्री मैथिलीशरण गुप्त है।

प्रश्न 2. राहुल माँ से कहानी सुनने के लिए क्या तर्क देता है?

उत्तर—राहुल माँ से कहानी सुनने के लिए यह तर्क देता है कि तुम मेरी नानी की बेटी हो।

प्रश्न 3. यशोधरा कौन है? वह किसको कहानी सुनाती है?

उत्तर—यशोधरा गौतम बुद्ध की पत्नी है और वह अपने पुत्र राहुल को कहानी सुनाती है।

प्रश्न 4. "बेटा समझ लिया क्या तूने मुझको अपनी नानी?" ऐसा यशोधरा ने राहुल से क्यों कहा?

उत्तर—"बेटा समझ लिया क्या तूने मुझको अपनी नानी?" ऐसा यशोधरा ने राहुल से इसलिए कहा क्योंकि प्रायः नानी द्वारा ही बच्चों को कहानियाँ सुनाये जाने की कहावत प्रचलित है।

(2)

"वर्ण वर्ण के फूल खिले थे,
झलमल कर हिम-बिंदु झिले थे,
हलके झोंके हिले-मिले थे,
लहराता था पानी।"
"लहराता था पानी?
हाँ, हाँ, यही कहानी।"
"गाते थे खग कल कल स्वर से,
सहसा एक हंस ऊपर से,
गिरा, बिद्ध होकर खर-शर से,
हुई पक्ष की हानी!"
"हुई पक्ष की हानी?
करुणा-भरी कहानी!"
"चौंक उन्होंने उसे उठाया,
नया जन्म-सा उसने पाया।
इतने में आखेटक आया,
लक्ष्य-सिद्धि का मानी।"
"लक्ष्य-सिद्धि का मानी?
कोमल-कठिन कहानी।"

[पृष्ठ-2]

कठिन शब्दार्थ—वर्ण वर्ण के = रंगबिरंगी। **झलमल** = चमकीले, चमचमाते हुए, रह-रह कर चमकने वाले। **हिम-बिन्दु** = पाले की बूँद, ओस की बूँद। **हलके** = मंदे। **झोंके** = वायु के आघात। **हिले-मिले** = टकराते। **लहराता** = हिलता-डुलता। **खग** = पक्षी। **कल-कल स्वर** = मधुर स्वर। **सहसा** = अचानक। **बिद्ध होकर** = बिंध कर, छिद कर। **खर** = तेज, कठोर, तीक्ष्ण। **शर** = तीर, बाण। **पक्ष** = पंख। **हानी** = क्षति, नुकसान। **करुणा भरी** = दया और शोक से युक्त। **चौंक** = चकित होकर। **आखेटक** = शिकारी। **लक्ष्य-सिद्धि** = अचूक निशाना। **मानी** = अभिमानी।

प्रसंग—मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित कविता 'माँ, कह एक कहानी' के इस काव्यांश में यशोधरा बगीचे के सौंदर्य का वर्णन करते हुए हंस की रक्षा करने वाले सिद्धार्थ और शिकारी के बारे में राहुल को बता रही है।

व्याख्या—कवि कहता है, यशोधरा कह रही है, "वहाँ रंगबिरंगे फूल खिले थे जो चमकीली ओस की बूँदों से लदे हुए थे और मंद हवा के प्रभाव से आपस में टकरा रहे थे। वहाँ सरोवर का पानी भी हिल-डुल रहा था।" राहुल पुनः विस्मय से कहता है, "वहाँ पानी हिल-डुल रहा था? हाँ, हाँ, माँ, यही कहानी सुनाओ।"

यशोधरा कहती है, वहाँ पक्षी मधुर स्वर से गीत गाते थे अर्थात् मधुर शब्द करते थे। अचानक वहाँ तेज (तीक्ष्ण) तीर से बिंधा हुआ एक हंस ऊपर से आकर गिरा, उसके पंख को क्षति पहुँची थी। यह कहानी करुणा और दया से युक्त है।

चकित होकर राहुल के पिता अर्थात् गौतम बुद्ध ने उस हंस को उठा लिया, उस हंस को मानो नया जन्म मिल गया। इतने में ही उस हंस का शिकार करने वाला शिकारी वहाँ आ गया। उसको अपने अचूक निशाने पर बहुत अभिमान था।

राहुल कहता है "शिकारी को अपने अचूक निशाने पर अभिमान था।" यह कहानी बहुत कोमल भी है और कठिन भी है क्योंकि इसमें दया-करुणा जैसे कोमल भाव भी हैं और निर्दयता-निर्ममता जैसे कठोर भाव भी हैं।

बहुविकल्पात्मक प्रश्न—

1. "लहराता था पानी, हाँ-हाँ यही कहानी" वाक्य कौन कह रहा है?
   (क) यशोधरा (ख) राहुल (ग) सिद्धार्थ (घ) आखेटक
2. ऊपर से कौन आकर गिरा?
   (क) सिद्धार्थ (ख) राहुल (ग) हंस (घ) पानी
3. हंस को किसने उठाया?
   (क) आखेटक ने (ख) यशोधरा ने (ग) राहुल ने (घ) गौतम बुद्ध ने

उत्तर—1. (ख) 2. (ग) 3. (घ)

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न—

प्रश्न 1. रंग-बिरंगे फूल कहाँ खिले थे?

उत्तर—रंग-बिरंगे फूल उस उपवन में खिले थे जहाँ राहुल के पिता घूमने जाते थे।

प्रश्न 2. बगीचे में हंस कैसी दशा में कहाँ से गिरा था?

उत्तर—हंस बगीचे में तीर से बिंधा हुआ घायल दशा में ऊपर से गिरा था।